नईदुनिया

किश्तवाड़ में भूस्खलन से एक की मौत, सेना ने 235 लोगों को बचाया

देश के कई हिस्सों में मौसम का कहर

- ओडिशा में बवंडर से दो की मौत, कई घर क्षतिग्रस्त
- कई राज्यों में आंधी-बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज अचानक बदल गया है। जम्मू-कश्मीर, ओडिशा, सिक्किम और हिमाचल प्रदेश सहित कई राज्यों में तेज आंधी, बारिश, बर्फबारी और तूफान की घटनाएं सामने आई हैं। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में भारी बर्फबारी के बीच एक जलविद्युत परियोजना के पास भूस्खलन होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया।

भारी बर्फबारी के कारण किश्तवाड़ के सिंथन टॉप क्षेत्र में कई वाहन और यात्री रास्ते में फंस गए थे। सेना ने राहत और बचाव अभियान चलाकर महिलाओं और बच्चों सहित 235 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

खराब मौसम और लगातार बर्फबारी के कारण क्षेत्र में आवागमन प्रभावित रहा। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति क्षेत्र में भी बर्फबारी के कारण स्थिति गंभीर बनी रही। बर्फ देखने पहुंचे पर्यटक पूरी रात अटल सुरंग रोहतांग में फंसे रहे। सड़कों पर फिसलन बढ़ने से यातायात रोक दिया गया था। सुरंग के भीतर और दोनों छोर पर लगभग एक हजार वाहन खड़े रहे। प्रदेश के चंबा, शिमला, कुल्लू, मंडी, लाहौल-स्पीति, किन्नौर और कांगड़ा जिलों के ऊंचे क्षेत्रों में बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश दर्ज की गई। इसके कारण लगभग 150 सड़कें बंद हो गई हैं। सिक्किम में रविवार देर शाम तेज तूफान के साथ मूसलाधार बारिश हुई। कई स्थानों पर तेज हवाओं से बड़े-बड़े पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए।

रकडोंग काफर क्षेत्र में पेड़ गिरने से एक महिला की मृत्यु हो गई। कई इलाकों में बारिश के साथ ओले भी गिरे, जिससे सड़कों पर आवाजाही कठिन हो गई। ओडिशा के मयूरभंज जिले में आए बवंडर ने लगभग आधे घंटे तक भारी तबाही मचाई। इस घटना में दो लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि 25 से अधिक लोग घायल हो गए। तेज तूफान के कारण 70 से अधिक घरों को नुकसान पहुंचा और तीन से चार गांव इससे प्रभावित हुए। कोलकाता के गार्डन रीच क्षेत्र में तेज आंधी के कारण लोहे का बड़ा द्वार सड़क पर गिर गया। वहीं उत्तराखंड के श्री गंगोत्री धाम में भी बर्फबारी हुई, जिससे क्षेत्र में ठंड बढ़ गई है।

मौसम विभाग ने देश के उत्तर, पूर्वोत्तर और दक्षिण के कई हिस्सों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए नारंगी चेतावनी जारी की गई है। इन क्षेत्रों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने और ओलावृष्टि होने की संभावना है।मौसम विभाग के अनुसार उत्तर भारत के ऊपर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी के कारण यह मौसम परिवर्तन देखा जा रहा है। इन परिस्थितियों के कारण कई स्थानों पर आंधी, बारिश, तूफान और ओलावृष्टि की घटनाएं हो रही हैं। राजस्थान में भी मौसम का असर दिखाई दिया।

अलवर, झुंझुनूं, हनुमानगढ़, बीकानेर और श्रीगंगानगर जिलों में हल्की बारिश हुई तथा कुछ स्थानों पर ओले गिरे। मौसम परिवर्तन के कारण तापमान में लगभग तीन डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई।

महाराष्ट्र के अमरावती में रविवार को देश का सबसे अधिक तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में कई राज्यों में मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है।

पाकिस्तान ने कंधार में फिर एयर स्ट्राइक की

- ऑपरेशन गजब-लिल-हक के तहत आतंकियों के ठिकानों को निशाना

इस्लामाबाद, एजेंसी : पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कंधार प्रांत में रविवार रातभर एयर स्ट्राइक कर सीमा पार आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाया। यह कार्रवाई ऑपरेशन गजब-लिल-हक के तहत की गई। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार के अनुसार, हमले में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान जैसे संगठन सीमा पार हमलों की तैयारी करने वाले ठिकानों को निशाना बनाया गया। इसके जवाब में अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के सैन्य कैंप पर हमला किया। तालिबान प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने पाकिस्तान के दावों को खारिज करते हुए कहा कि स्ट्राइक में किसी आतंकी ठिकाने को नहीं बल्कि कंधार के एक नशा मुक्ति केंद्र और खाली कंटेनरों को नुकसान पहुंचा। पाकिस्तान ने यह भी आरोप लगाया कि शुक्रवार रात अफगानिस्तान की ओर से ड्रोन हमला किया गया था, जिसमें क्वेटा में दो बच्चों समेत कुछ नागरिक घायल हो गए। इस हमले के बाद सीमा पर तनाव बढ़ गया है।

30 अरब वर्षों में केवल एक सेकंड की संभावित त्रुटि

चीन ने विकसित की अत्यंत सटीक परमाणु घड़ी

उपग्रह मार्गदर्शन और संचार में मिलेगी बड़ी सहायता

- भविष्य में 'सेकंड' की परिभाषा बदलने में मदद संभव

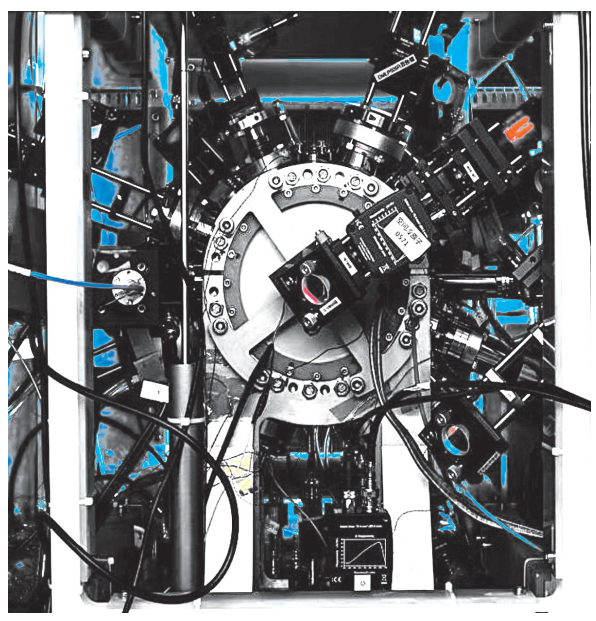

बीजिंग, एजेंसी : चीन के वैज्ञानिकों ने दुनिया की सबसे सटीक घड़ियों में से एक का निर्माण किया है। यह नई परमाणु घड़ी इतनी सटीक बताई जा रही है कि लगभग 30 अरब वर्षों में भी इसमें केवल एक सेकंड की त्रुटि होने की संभावना है। इस उपलब्धि को समय मापन की तकनीक में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

यह घड़ी चीन की विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने विकसित की है। इसे स्ट्रॉन्शियम ऑप्टिकल लैटिस घड़ी कहा जा रहा है। इस तकनीक में परमाणुओं के भीतर इलेक्ट्रॉन के ऊर्जा स्तर बदलने पर उत्पन्न होने वाली प्रकाश आवृत्ति को मापकर समय का निर्धारण किया जाता है। वर्तमान समय में ऑप्टिकल घड़ियां दुनिया की सबसे सटीक समय मापने वाली प्रणालियों में गिनी जाती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार इतनी सटीक घड़ी का उपयोग कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किया जा सकता है। इससे उपग्रह आधारित मार्गदर्शन प्रणाली, दूरसंचार सेवाओं और वैज्ञानिक मापन में अत्यधिक सटीकता प्राप्त होगी। इसके अलावा गुरुत्वाकर्षण में होने वाले सूक्ष्म परिवर्तनों, पृथ्वी की सतह में होने वाली हलचल तथा ज्वालामुखीय गतिविधियों को भी अधिक स्पष्ट रूप से समझा जा सकेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि विश्व के विभिन्न अनुसंधान संस्थानों में इस प्रकार की कम से कम तीन घड़ियां समान स्तर की सटीकता के साथ कार्य करने लगें, तो भविष्य में समय की मूल इकाई 'सेकंड' की परिभाषा को पुनः निर्धारित किया जा सकता है। वैज्ञानिक समुदाय इसे समय मापन के क्षेत्र में नई दिशा देने वाली उपलब्धि मान रहा है।

वांगचुक की रिहाई के बाद लेह में निकली रैली

- अलग राज्य और छठी अनुसूची की मांग को लेकर प्रदर्शन

नईदुनिया ब्यूरो, लेह: पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की रिहाई के दो दिन बाद सोमवार को लेह में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सैकड़ों लोगों ने रैली निकाली। वहीं कारगिल और द्रास में बंद रखा गया। यह रैली पिछले वर्ष सितंबर में हुए हिंसक प्रदर्शन के बाद पहली बार आयोजित की गई, जिसमें पुलिस फायरिंग में चार लोगों की मौत हो गई थी।

यह रैली लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के संयुक्त आह्वान पर आयोजित की गई। इन संगठनों की प्रमुख मांग लद्दाख को अलग राज्य का दर्जा देने और उसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की है।

रैली का नेतृत्व लेह एपेक्स बॉडी के सह-अध्यक्ष चेरिंग दोरजे ने किया। प्रदर्शनकारी सिंगे नामग्याल चौक से पोलो मैदान तक मार्च करते हुए पहुंचे। रैली में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी भी देखी गई और लोगों ने राज्य के दर्जे तथा संवैधानिक अधिकारों की मांग के समर्थन में नारे लगाए। कई प्रदर्शनकारी पिछले वर्ष पुलिस फायरिंग में मारे गए चार लोगों की तस्वीरें भी अपने साथ लेकर चल रहे थे।

पाकिस्तान में बच्चों के खिलाफ अपराधों में वृद्धि

- अपहरण, यौन शोषण और रेप के मामले सबसे ज्यादा

इस्लामाबाद, एजेंसी : पाकिस्तान में 2025 के दौरान बच्चों के खिलाफ अपराधों में 8% की वृद्धि दर्ज की गई है। चाइल्ड प्रोटेक्शन संगठन साहिल की रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल 3,630 मामले सामने आए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पीड़ितों में 1,924 यानी 53% लड़कियां और 1,625 यानी 47% लड़के शामिल हैं। इसके अलावा 116 मामले नवजात बच्चों से संबंधित थे। सबसे अधिक 1,107 मामले बच्चों के अपहरण के दर्ज किए गए। इसके बाद 596 यौन शोषण, 522 रेप और 365 बच्चों के लापता होने के मामले शामिल हैं। रिपोर्ट में 108 गैंग रेप, 130 गैंग यौन शोषण और 58 मामले ऐसे भी दर्ज हैं, जिनमें यौन शोषण के बाद हत्या हुई।

आंकड़ों के अनुसार 11 से 15 साल के बच्चे सबसे अधिक शिकार बने। कई मामलों में आरोपी पीड़ित के जान-पहचान वाले लोग थे। इलाकों के हिसाब से पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में सबसे अधिक 73% मामले दर्ज हुए। इसके बाद सिंध में 21% और खैबर पख्तूनख्वा में 4% मामले सामने आए।

साहिल ने सरकार और स्थानीय प्रशासन से बच्चों की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाने और अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने की अपील की है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम भी जरूरी हैं।

थोक महँगाई दर 12 महीने के उच्च स्तर पर, फरवरी में बढ़कर 2.13% हुई

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: देश में फरवरी महीने के दौरान थोक महंगाई दर बढ़कर 2.13 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो पिछले बारह महीनों का सबसे ऊंचा स्तर है। इससे पहले जनवरी 2026 में यह दर 1.81 प्रतिशत और दिसंबर में 0.83 प्रतिशत थी। वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार को थोक महंगाई से जुड़े आंकड़े जारी किए।

जानकारी के अनुसार रोजमर्रा की जरूरत के सामान और खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण थोक महंगाई में वृद्धि दर्ज की गई है। प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई दर 2.21 प्रतिशत से बढ़कर 3.27 प्रतिशत हो गई। वहीं खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर माइनस 1.41 प्रतिशत से बढ़कर 1.85 प्रतिशत पर पहुंच गई।

ईंधन और ऊर्जा क्षेत्र की महंगाई दर माइनस 4.01 प्रतिशत से घटकर माइनस 3.78 प्रतिशत रही, जबकि विनिर्मित वस्तुओं की महंगाई दर 2.86 प्रतिशत से बढ़कर 2.92 प्रतिशत हो गई।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहा युद्ध लंबा खिंचता है, तो कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि हो सकती है। अनुमान है कि कच्चे तेल की कीमत 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। यदि ऐसा होता है तो पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे परिवहन खर्च बढ़ेगा और फल, सब्जी सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर असर पड़ेगा।

थोक महंगाई को चार प्रमुख हिस्सों में बांटा जाता है। इनमें प्राथमिक वस्तुएं, ईंधन और ऊर्जा तथा विनिर्मित उत्पाद शामिल हैं। प्राथमिक वस्तुओं में खाद्य पदार्थ, गैर खाद्य वस्तुएं, खनिज और कच्चा पेट्रोलियम आते हैं।

इसी बीच फरवरी महीने में खुदरा महंगाई दर भी बढ़कर 3.21 प्रतिशत हो गई है। इससे पहले जनवरी में यह 2.74 प्रतिशत थी। अर्थशास्त्रियों के अनुसार यदि थोक महंगाई लंबे समय तक अधिक बनी रहती है तो इसका असर उत्पादन क्षेत्र पर पड़ता है। ऐसे में उत्पादक बढ़ी हुई लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल देते हैं, जिससे बाजार में वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाती हैं।

देश में महंगाई मापने के लिए दो प्रमुख सूचकांक उपयोग में लाए जाते हैं। पहला खुदरा मूल्य सूचकांक है, जो उपभोक्ताओं द्वारा चुकाई जाने वाली कीमतों को दर्शाता है।

बाइक रातभर चालू रखने से चार लोगों की मौत

नईदुनिया ब्यूरो, अन्नामय्या: आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले में एक घर के अंदर बाइक का इंजन रातभर चालू रहने से कार्बन मोनोऑक्साइड के धुएं में दम घुटने से एक ही परिवार के चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में तीन बच्चे और एक बुजुर्ग शामिल हैं। घर के मालिक मुरली ने अपनी बाइक की मरम्मत कराने के बाद मैकेनिक की सलाह मानते हुए उसे रातभर चालू रखा। उसी कमरे में उनके पिता और तीन बच्चे सो रहे थे। लगातार धुएं के कारण सभी की सांसें प्रभावित हुईं और वे दम तोड़ बैठे। स्थानीय पुलिस ने घटना की सूचना मिलने के बाद तुरंत मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लिया और घर के अंदर जांच शुरू की।

पुलिस ने बताया कि यह हादसा गंभीर लापरवाही का परिणाम है। मृतकों के परिजन और पड़ोसी इस दुखद घटना से स्तब्ध हैं। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

विधायकों को धन का प्रलोभन देने का आरोप

नईदुनिया ब्यूरो, बेंगलुरु: कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने आरोप लगाया है कि राज्यसभा चुनाव से पहले कुछ लोगों ने कांग्रेस विधायकों को दल के विरुद्ध मतदान कराने के लिए भारी धनराशि का प्रस्ताव दिया। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। शिवकुमार के अनुसार ओडिशा से आए चार लोग बेंगलुरु के पास बिदादी क्षेत्र स्थित एक रिसॉर्ट में पहुंचे थे, जहां ओडिशा के कांग्रेस विधायक ठहरे हुए थे। आरोप है कि इन लोगों ने राज्यसभा चुनाव में दल के विरुद्ध मतदान करने के बदले प्रत्येक विधायक को पाँच-पाँच करोड़ रुपये देने की पेशकश की। कांग्रेस विधायकों ने इस प्रस्ताव को तुरंत अस्वीकार कर दिया और इसकी जानकारी पार्टी नेतृत्व को दे दी। शिवकुमार के अनुसार चारों में से दो व्यक्ति मौके से भाग गए, जबकि दो को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने उनके पास से खाली चेक भी बरामद किए हैं, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। इस मामले में ओडिशा कांग्रेस विधायक दल के उपनेता अशोक कुमार दास ने भी बिदादी थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

स्पेशल खबर उदय कोटक शीर्ष दस में शामिल, नए उद्यमियों की भी एंट्री, प्रतिदिन औसतन 274 करोड़ रुपये की कमाई का अनुमान

एक वर्ष में 24 नए अरबपति जुड़े, मित्तल की संपत्ति में तेज वृद्धि

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: वर्ष 2026 की वैश्विक अरबपति सूची के अनुसार भारत में एक वर्ष के दौरान 24 नए अरबपति जुड़े हैं। इसके साथ ही देश में अरबपतियों की कुल संख्या बढ़कर 229 हो गई है। सूची में भारतीय उद्योगपति लक्ष्मी मित्तल की संपत्ति में इस वर्ष सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई है, जिसके कारण वे देश के चौथे सबसे धनी व्यक्ति बन गए हैं।

जानकारी के अनुसार उनकी कंपनी आर्सेलर मित्तल के शेयरों में पिछले वर्ष के दौरान 80 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी गई। इसके परिणामस्वरूप उनकी

कुल संपत्ति बढ़कर लगभग 31 अरब अमेरिकी डॉलर, अर्थात लगभग 2.87 लाख करोड़ रुपये हो गई है। पिछले एक वर्ष में उनकी संपत्ति में करीब 20 अरब अमेरिकी डॉलर, यानी लगभग 1.85 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार इस वृद्धि के आधार पर लक्ष्मी मित्तल ने पूरे वर्ष में प्रतिदिन औसतन लगभग 274 करोड़ रुपये की कमाई की है, जो इस वर्ष की सबसे उल्लेखनीय वृद्धि मानी जा रही है।

सूची में तीसरे स्थान पर ओ.पी. जिंदल समूह की अध्यक्ष सावित्री जिंदल बनी हुई हैं। वे देश की सबसे धनी महिला मानी जा रही हैं। इस वर्ष की सूची में कुल 20 भारतीय महिला अरबपति भी शामिल हैं, जो देश में महिलाओं की बढ़ती आर्थिक भागीदारी को दर्शाता है। इस वर्ष कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक उदय कोटक भी शीर्ष दस धनी भारतीयों की सूची में शामिल हो गए हैं। हाल ही में उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। उनकी सूची में एंट्री होने के बाद रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े उद्यमी कुशल पाल सिंह दो स्थान नीचे खिसककर बारहवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

इसके अलावा शिक्षा प्रौद्योगिकी मंच फिजिक्सवाला के संस्थापक अलख पांडे और प्रतीक बूंब भी इस वर्ष पहली बार अरबपतियों की सूची में शामिल हुए हैं। कंपनी के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम के बाद उनकी संपत्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

वहीं डिजिटल भुगतान मंच पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा तीन वर्ष बाद फिर से इस सूची में लौटे हैं। कंपनी के शेयरों में पिछले वर्ष लगभग 60 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, हालांकि यह अभी भी प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम के समय की कीमत से नीचे बना हुआ है।

यह धनी व्यक्तियों की सूची वर्ष 2009 में पहली बार जारी की गई थी। इसे तैयार करने के लिए शेयर हिस्सेदारी, वित्तीय विवरण, बाजार के आंकड़े और विभिन्न आर्थिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी का उपयोग किया जाता है। संपत्ति का आकलन अमेरिकी डॉलर के आधार पर किया जाता है।